List of activities held at of Sant Shadaram Sahib Center for Sindhi Studies, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur

S. n.	Date	Event	Guest and Dignitaries	Participants
		2024-25		
1.	6–7 July 2024	दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन "National Education Policy: Challenges Solution & Contribution of Indian Language, especially Sindhi"	1. अध्यक्ष– प्रो. सच्चिदानंद शुक्ल, कुलपति पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर 2. संत डॉ. युधिष्ठिरलाल जी, नवम् पीठाधीश्वर, शदाणी दरबार, रायपुर 3. मुख्य वक्ता– डॉ. रविप्रकाश टेकचंदानी, निदेशक, राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद्, नई दिल्ली 4. वक्ता– डॉ. जे सी अजवाणी (पूर्व विभागाध्यक्ष, मनोविज्ञान, संत गोविन्द राम शा. स्नात्तकोतर महाविद्यालय, देवेन्द्रनगर) 5. वक्ता– श्री श्रीचंद सुंदरानी, पूर्व विधायक, रायपुर	120

Shailsharma 11/04/2025
संचालक
संत शदाराम साहिब सिंधी अध्ययन केंद्र
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

List of activities held at of Sant Shadaram Sahib Center for Sindhi Studies, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur

		2023-24		
2.	05 Feb. 2024	परिचिर्चा एवं पूर्व छात्र मिलन समारोह	1. अध्यक्ष– प्रो. सच्चिदानंद शुक्ल, कुलपति पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर 2. संत डॉ. युधिष्ठिरलाल जी, नवम् पीठाधीश्वर, शदाणी दरबार, रायपुर	16
3.	21 Feb. 2024	अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर आयोजित कार्यक्रम, विषय– सिंधी भाषा का वर्तमान स्वरूप	1. संरक्षक– प्रो. सच्चिदानंद शुक्ल, कुलपति पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर 2. विशिष्ट वक्ता– डॉ. जे सी अजवाणी (पूर्व विभागाध्यक्ष, मनोविज्ञान, संत गोविन्द राम शा. स्नात्तकोतर महाविद्यालय, देवेन्द्रनगर) विशिष्ट वक्ता– श्रीमती जया जादवानी, साहित्यकार 3. विशिष्ट अतिथि– संत डॉ. युधिष्ठिरलाल जी, नवम् पीठाधीश्वर, शदाणी दरबार, रायपुर	86

Shailsharma 11/04/2025
संचालक
संत शदाराम साहिब सिंधी अध्ययन केंद्र
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

List of activities held at of Sant Shadaram Sahib Center for Sindhi Studies, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur

2022-23				
4.	20 Sep 2022	Diksharambh Prof. Akeel Ahmed, Director NCPSL New Delhi- Visit Educational Tour At University	1. Prof. Akeel Ahmed, Director NCPSL New Delhi 2. Prof. Keshari Lal Verma. The Vice-Chancellor of Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur as the Patron	20
2021-22				
5.	19th Feb 2022	Prof. Akeel Ahmed, Director NCPSL New Delhi- Visit Educational Tour At University	1. Prof. Akeel Ahmed, Director NCPSL New Delhi 2. Prof. Keshari Lal Verma. The Vice-Chancellor of Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur as the Patron	20

Shail Sharma 11/04/25
संचालक
संत शदाराम साहिब सिंधी अध्ययन केंद्र
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

List of activities held at of Sant Shadaram Sahib Center for Sindhi Studies, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur

6.	23 March 2022	One Day National Seminar (Hemu Kalani Janam Shatabdi Samhroh)	1. Shri Gopal Devani, NCPSL, Adviser, New Delhi 2. Dr. Pradeep Gehani, HoD. Coms. Deerpt. Jodhpur 3. Prof. Keshari Lal Verma, The Vice-Chancellor of Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur as the Patron 4. Dr. Murlidhar Makheeja, Korba 5. Dr. J.C. Ajwani, Raipur	85
2020-21				
7.	5th Oct 2020	National Webinar (Online) on "Teaching and Conservation of Sindhi Language"	1. Dr. Pratap Pinjani, Director, Natioanl Council for Promotion of Sindhi Language, New Delhi as the Special Guest	700

Shail Sharma 11/04/2025
संचालक
संत शदाराम साहिब सिंधी अध्ययन केंद्र
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

List of activities held at of Sant Shadaram Sahib Center for Sindhi Studies, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur

			2. Prof. Keshari Lal Verma, the Vice-Chancellor of Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur as the Patron 3. Prof. Hashindifnso Dadlani, Prithviraj Chauhan College, Ajmer as the Chief Speaker	
8.	15th Jan 2021	The Induction Programme for the first batch of Sindhi Language	1. Sant Dr. Yudhishthir Lal Ji, the 9th Pithadhish of Sadani Darbar, Raipur as the Chief Guest 2. Prof. Keshari Lal Verma, the Vice-Chancellor of Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur as the Patron	35
9.	22th Oct 2021	The Induction Programme for the Second Batch of Sindhi Language	1. Prof. Shail Sharma Head, SoS Literature & Language, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur	27

Shail Sharma 11/04/2025
संचालक
संत शदाराम साहिब सिंधी अध्ययन केंद्र
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

List of activities held at of Sant Shadaram Sahib Center for Sindhi Studies, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur

2019-20				
10.	30th Sept 2019	Inauguration of Sant Shadaram Sahib Center for Sindhi Studies, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur	1. Sant Dr. Yudhishthir Lal Ji, 9th Pithadhish of Sadani Darbar, Raipur as the Chief Guest 2. Prof. Keshari Lal Verma, the Vice-Chancellor of Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur as the Patron	100
11.	11th Nov 2019	Organization of National Seminar on the occasion of National Education Day	1. Prof. Laxmi Shankar Nigam, the Vice-Chancellor, ICFAI University, Kumhari, Durg as the Chief Guest 2. Prof. Keshari Lal Verma, the Vice-Chancellor of Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur as the Patron	40
12.	21stFeb 2020	Organization of Special Lecture on the occasion	1. Prof. Ravindra Kumar , the former Vice-Chancellor of Indira Gandhi National Open University, New Delhi as the Chief Guest	60

Shail Sharma 11/04/2025
संचालक
संत शदाराम साहिब सिंधी अध्ययन केंद्र
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

1. दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन **“National Education Policy: Challenges Solution & Contribution of Indian Language, especially Sindhi”**

Date- 6-7 July 2024

भारतीय भाषा शिक्षण मंडल एवं संत शदाराम साहिब सिंधी अध्ययन केंद्र, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर में दिनांक 6.7 जुलाई 2024 को दो दिवसीय अंतराष्ट्रीय सेमीनार का आयोजन किया गया। जिसमें विशिष्ट अतिथि प्रो. रविप्रकाश टेकचंदानी, नई दिल्ली ने अपने उद्बोधन में सिंधी भाषा और साहित्य के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए आज के सदर्भ में सिंधी साहित्य के महत्व को बताया। उन्होंने आज भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत सिंधी साहित्य में लिखे गए प्रमाणित तथ्य का भी वर्णन किया। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में चल रहे सिंधी पाठ्यक्रम इस दिशा में नींव के पत्थर की तरह भाषा और साहित्य के विकास का कार्य कर रहा है। इसके लिए विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दी। भारतीय शिक्षण मंडल के अध्यक्ष श्री सच्चिदानंद जोशी नई दिल्ली जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि सिंधी भाषा भाषी लोगों को अपनी भाषा के ज्ञान को बढ़ाने एवं प्रचार प्रसार के लिए सार्थक प्रयास करना चाहिए। आज यह विश्वविद्यालय आपको आगे बढ़ने एवं सिंधी भाषा और साहित्य में जो ज्ञान है उसे सामने लाने का कार्य करिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए आदरणीय कुलपति प्रो. सच्चिनानंद शुक्ल ने सिंधी भाषा और साहित्य के विकास के लिए विश्वविद्यालय की ओर से आश्वासन दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संत डॉ. युधिष्ठिर लाल जी ने कहा कि सिंधी समाज विश्वविद्यालय के सहयोग के लिए आभारी है और हम हमेंशा मिल कर कार्य करने तत्पर रहेंगे। कार्यक्रम में संत शादाराम साहिब सिंधी अध्ययन केंद्र के अध्यक्ष प्रो. शैल शर्मा, विभागाध्यक्ष, साहित्य एवं भाषा–अध्ययनशाला और जे. सी. अजवानी पूर्व विभागाध्यक्ष मनोविज्ञान, एवं बी. डी. थडलानी व्याख्याता संत गोविंद राम साहब शासकीय महाविद्यालय देवेन्द्र नगर उपस्थित रहे। कार्यक्रम में लगभग 570 प्रतिभागी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन में आदरणीय कुलसचिव श्री शैलेन्द्र कुमार पटेल ने आभार व्यक्त किया।

उद्घाटन सत्र में उपस्थित मंचस्थ अतिथि – प्रो. रविप्रकाश टेकचंदानी, श्री सच्चिदानंद जोशी, कुलपति प्रो. सच्चिनानंद शुक्ल, संत डॉ. युधिष्ठिर लाल, जे. सी. अजवानी, बी. डी. थडलानी, कुलसचिव श्री शैलेन्द्र कुमार पटे

द्वितीय सत्र में उपस्थित मंचस्थ अतिथि

उद्घाटन सत्र में उपस्थित अतिथि

सिंधी भाषा के विकास पर दो दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत मातृभाषा संवर्धन संरक्षण एवं अध्ययन के लिए सरकारी योजनाओं का उपयोग कैसे करें विषय पर आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि शदाणी दरबार के संत युधिष्ठिरलाल थे। विशेष अतिथि राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद नई दिल्ली के निदेशक प्रो. रवि प्रकाश टेकचंदानी, कुलपति सच्चिदानंद शुक्ला एवं सच्चिदानंद जोशी आदि उपस्थित रहे।

नई दिल्ली से आए रवि प्रकाश टेकचंदानी ने कहा कि पिछले चार वर्षों में डिप्लोमा इन सिंधी कोर्स कराया गया। इस वर्ष से एमए इन सिंधी का कोर्स प्रारंभ हुआ है।

शदाणी दरबार के संत युधिष्ठिरलाल सिंधी भाषा के विकास पर विचार रखते। ● शदाणी दरबार

कार्यक्रम का प्रेस प्रचार

राष्ट्रीय संगोष्ठी
व्याख्यानमाला
राष्ट्रीय संगोष्ठी
व्याख्यानमाला

GPS Map Camera
Raipur, Chhattisgarh, India
6HWW+8F8, Amanaka, Raipur, Chhattisgarh 492010, India
Lat 21.245558°
Long 81.596274°
06/07/24 12:36 PM GMT +05:30
Google

व्याख्यानमाला 06 जुलाई 2024
राष्ट्रीय संगोष्ठी
व्याख्यानमाला
दिनांक-06-07 जुलाई 2024
GPS Map Camera
Raipur, Chhattisgarh, India
6HWW+8F8, Amanaka, Raipur, Chhattisgarh 492010, India
Lat 21.24554°
Long 81.596278°
06/07/24 12:35 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Raipur, Chhattisgarh, India
6HWW+8F8, Amanaka, Raipur, Chhattisgarh 492010, India
Lat 21.24554°
Long 81.596295°
06/07/24 12:46 PM GMT +05:30
Google

2. परिचर्चा एवं पूर्व छात्र मिलन समारोह

दिनांक– 05.02.2024

साहित्य और संस्कृति से ही संस्कार मिलेंगे : संतश्री युधिष्ठिर लाल

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में सिंधी विद्यार्थियों का छात्र- मिलन सम्मेलन आयोजित

संत शदाराम साहिब सिंधी अध्ययन केंद्र, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविधालय, रायपुर में छात्र मिलन एवं परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शदाणी दरबार तीर्थ,रायपुर के संत युधिष्ठिर लाल जी ने अपने संबोधन में कहा कि "हम सभी जानते है कि सिंध से ही हिंद तथा इंडस से इंडिया बना है। हमारे छात्र यदि अपनी भाषा, संस्कृति को पाठ्यक्रम में पढ़ते हैं तो राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत हो जाते हैं। छात्रों को अनुशासन में रहते हुए पठन-पाठन के अतिरिक्त अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों में भी भागीदारी करना चाहिए।"

साहित्य एवं भाषा अध्ययनशाला की अध्यक्ष तथा संत शदाराम साहिब सिंधी अध्ययन केंद्र की संचालक प्रो.शैल शर्मा ने कहा कि "छात्र मिलन कार्यक्रम में पूर्व वर्षो के छात्र अपनी स्मृतियां साझा करते हैं तथा संस्थान को उन्नत होना देखना चाहते हैं। संस्था के विकास में पूर्व छात्रों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है ।" कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन, विश्वविद्यालय कुलगीत तथा सिंधी भाषा विकास परिषद नई दिल्ली (NCPSL) के ध्येयगीत गायन के साथ हुआ। इस कार्यक्रम में चार वर्षों में उत्तीर्ण हुए तथा उपस्थित विद्यार्थियों ने अपना परिचय दिया तथा वर्तमान में कार्य व्यवसाय की चर्चा की।

शैक्षणिक एवं अन्य गतिविधि के संचालन पर चर्चा में राजनांदगांव से पधारे अतिथि श्री महेश मोटलानी जी ने आगामी माह में 'सिंधी भाषा संस्कृति' पर कार्यक्रम आयोजित किए जाने की रूपरेखा बताई तथा सभी को सक्रिय होकर कार्य करने की सलाह दी। इसी कड़ी में सदस्य श्री नंदकिशोर साहित्य जी ने संत शदाराम साहिब सिंधी अध्ययन केंद्र के माध्यम से छत्तीसगढ़ के अन्य नगरों में धमतरी, बिलासपुर, राजनांदगांव में कार्यक्रम किए जाने पर बल दिया, जिससे भाषा, साहित्य और इस पाठ्यक्रम का

11/04/2025

HEAD
SOS In Lit. & Languages
Pt. Ravishankar Shukla University
Raipur (C.G.)

प्रचार-प्रसार हो सके। प्रथम बैच के श्री ताराचंद मोहनानी एवं श्री मोहनलाल बतरा [मुरली भैया] ने भी विचार साझा किए।

विभाग के अतिथि प्राध्यापक श्री मुरारी लाल नत्थानी जी ने पाठ्यक्रम और अध्ययन-अध्यापन की चर्चा करते हुए विगत तीन वर्षो से सुचारु रूप से संचालित पाठ्यक्रम एंव परिणाम के अपने अनुभव की चर्चा करते हुए 100% परीक्षा परिणाम के सकारात्मक पहलू पर ध्यान आकर्षित किया।

पूर्व छात्र श्री उदय शदाणी ने आगामी दिनों में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के लिए व्यवस्था करने हेतु समाज के सक्षम, गणमान्य महानुभावों से सहयोग तथा मार्गदर्शन मांगा और कार्यक्रम करने के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की । उन्होंने कहा की साहित्यिक सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए समाज को आगे आना चाहिए।

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में उपस्थित छात्रों ने सिन्धी भाषा के अनेक लोकगीत, कविताएं प्रस्तुत कर मन मोह लिया| वरिष्ठ सदस्यों ने कुछ भजन और संस्कार गीत गाकर समाँ बांध दिया |

इस पूर्व-छात्र-मिलन एवं परिचर्चा कार्यक्रम में डॉ. मधुलता बारा, श्री भजन दास तलरेजा, श्री नंदलाल साहित्य, श्री दर्शन निहाल, श्री महेश मोटलानी, श्री ताराचंद मोहनानी,श्री जीवन कुकरेजा, श्री शोभाराज

11/04/2025

HEAD
SOS In Lit. & Languages
Pt. Ravishankar Shukla University
Raipur (C.G.)

झांबिया, श्री भूषण कुकरेजा, श्री बंटी गावड़ा, सुश्री इंदु चंदवानी सहित सिंधी गणमान्य जन एवं सिन्धी डिप्लोमा के समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहे।

साहित्य एवं भाषा अध्ययनशाला के पाणिनि सभाकक्ष में आयोजित इस कार्यक्रम का संचालन सहायक संचालक डॉ. गिरजा शंकर गौतम तथा धन्यवाद ज्ञापन श्री उदय शदाणी जी ने किया। कार्यक्रम में साहित्य एवं भाषा अध्ययनशाला के समस्त शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थियों की गरिमामयी उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

प्रस्तुति– डॉ.गिरजा शंकर गौतम

11/04/20

HEAD
SOS In Lit. & Languages
Pt. Ravishankar Shukla University
Raipur (C.G.)

संत शदाराम साहिब सिंधी अध्ययन-केंद्र
साहित्य एवं भाषा-अध्ययनशाला
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छत्तीसगढ़)
विकसित भारत अभियान
1947 TO 2047
G20
परिचर्चा एवं पूर्व छात्र मिलन समारोह
कार्यक्रम अध्यक्ष - प्रो. सच्चिदानंद शुक्ल (कुलपति, पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि., रायपुर)
विशिष्ट अतिथि - डॉ. युधिष्ठिर लाल (नवम् पीठाधीश, शदाणी दरबार तीर्थ, रायपुर)
स्थान : पाणिनि सभाकक्ष
दिनांक : 05 फरवरी 2024
समय : मध्याह्न 12:00 बजे
** आयोजक **
प्रो. शैल शर्मा
संचालक, संत शदाराम साहिब सिंधी अध्ययन-केंद्र
डॉ. मधुलता बारा
एसोसिएट प्रोफेसर, साहित्य एवं भाषा-अध्ययनशाला
डॉ. गिरजा शंकर गौतम
सहायक संचालक, संत शदाराम साहिब सिंधी अध्ययन-केंद्र
श्री मुरारी लाल नत्थानी
अतिथि - प्राध्यापक सिंधी

संत शदाराम साहिब सिंधी अध्ययन-केंद्र
साहित्य एवं भाषा-अध्ययनशाला
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छत्तीसगढ़)
परिचर्चा एवं पूर्व छात्र मिलन समारोह

3. अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर आयोजित कार्यक्रम
दिनांक– 21.02.2024

‘सिंधी भाषा का वर्तमान स्वरूप’

दिनांक 21.02.2024 को पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के संत शदाराम साहब सिंधी भाषा अध्ययन केंद्र के कलाभवन स्थित सभागृह में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के उपलक्ष्य में सिंधी भाषा का वर्तमान स्वरूप विषय पर भव्य संगोष्ठी का आयोजन कुलपति प्रोफेसर सच्चिदानंद शुक्ल जी की गरिमामयी उपस्थिति एवं संत डॉक्टर युधिष्ठिर लाल नवम् पीठाधीश्वर पूज्य शदाणी दरबार तीर्थ रायपुर जी की आशीर्वादक उपस्थिति में संपन्न हुआ । विशिष्ट वक्ता डॉ.जे.सी.अजवानी जी पूर्व विभाग अध्यक्ष मनोविज्ञान संत गोविंदराम शदाणी शासकीय कन्या महाविद्यालय रायपुर द्वारा बड़े ही रोचक मनोवैज्ञानिक ढंग से भाषा की महत्ता को प्रतिपादित करते हुए सिंधी भाषा का वर्तमान स्वरूप पर अपने

बहुमूल्य विचार रखे। विशिष्ट वक्ता रायपुर नगर की प्रसिद्ध साहित्यकार जया जादवानी जी ने बड़े ही सरल और हृदय स्पर्शी विचारों को भाषा की महत्ता माँ के रूप में रखते हुए सिंधी भाषा के वर्तमान स्वरूप पर अपने साहित्यिक विचारों से सभा को सम्मोहित किया।संत डॉ युधिष्ठिर लाल जी ने अपने आशीर्वाद उद्बोधन में कहा कि विचारों की अभिव्यक्ति ही भाषा है। उन्होंने भाषा की महत्ता को सभी के सामने इस रूप में रखा की भाषा न केवल मनुष्य को मनुष्य से जोड़ती है अपितु मनुष्य को देवताओं से भी जोड़ती है, एवं अन्य जीवों से भी जोड़ती है।सभागार में सिंधी भाषा के नगर के गणमान्य अतिथियों में प्रमुख रूप से मुखी भजन दास तलरेजा श्री दर्शन निहाल जी, श्री नंदलाल साहित्य, श्री बाबूराम आहूजा, श्री शोभराज झांबिया, श्री जीवन कुकरेजा, श्री महेश लालवानी जी आदि उपस्थित हुए। सिंधी भाषा मॉनिटरिंग कमेटी के

अध्यक्ष श्री सांई उदय लाल शदाणी के साथ ही अन्य सभी सदस्य उपस्थित हुए। सफल संचालन श्री बंटी गाबड़ा द्वारा किया गया ।छात्रों एवं अध्यापकों व अतिथियों से खचाखच भरे सभागृह में अंत में धन्यवाद ज्ञापन विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर शैल शर्मा जी द्वारा किया गया।कार्यक्रम में डॉ. मधुलता बारा, डॉ. गिरजा शंकर गौतम, डॉ.सोनल मिश्रा, डॉ. कौस्तुभमणि द्विवेदी, डॉ. मृणालिनी करमोकर, डॉ.विभाषा मिश्र, डॉ. कुमुदिनी घृतलहरे, डॉ.बरातू राम

ध्रुव एवं विभाग के समस्त छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहें।

फरवरी 2024

21 फरवरी 2024

1. मातृ भाषा (आपकी पैतृक बोली)
2. राज्य भाषा (जिस राज्य में रहते हैं)
3. राष्ट्र भाषा (हिन्दी)
4. अंतर्राष्ट्रीय भाषा (अंग्रेजी)
5. देवभाषा (संस्कृत)

सिंधी अबाणी बोली
मिठड़ी अबाणी बोली
जहिं में डिनी आ मुखे
पींघे में माऊ लोली

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस व दीदी मां का आगमन

मातृभाषा हमें राष्ट्रीयता से जोड़ती है और देश प्रेम की भावना उत्प्रेरित करती है। मातृभाषा ही किसी भी व्यक्ति के शब्द और संप्रेषण कौशल की उद्गम होती है। एक कुशल संप्रेषण अपने मातृभाषा के प्रति उतना ही संवेदनशील होता है, जितना विषय वस्तु के प्रति। मातृभाषा व्यक्ति के संस्कारों की परिचायक होती है। विश्व मातृभाषा दिवस मनाने की पहल बांग्लादेश ने की थी जिसके बाद यूनेस्को ने 1999 में 21 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में घोषित किया। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अपने 2002 के प्रस्ताव में इस दिन की घोषणा को मान्यता प्रदान की। इसी संदर्भ में रायपुर रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में भी इस वर्ष 21 फरवरी 2024 को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस गणमानियों की उपस्थिति में मनाया गया। जिसमें विश्वविद्यालय के कुलपति महोदय एवं संत डॉ. युधिष्ठिर लाल जी की गरिमामयी में उपस्थिति में दीप प्रज्चलन कर उपरोक्त कार्यक्रम का का आरंभ किया गया। उपरोक्त कार्यक्रम हर वर्ष दुनिया में भाषाओं और सांस्कृतिक विविधता और बहुभाषिता को बढ़ावा देने के लिए साथ ही साथ मातृभाषाओं से जुड़ी जागरूकता का प्रचार प्रसार के उद्देश्यों के लिए यह अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया

जाता है। इस अवसर पर विशेष तौर पर शहर के अनेक गणमान्य नागरिक व प्रो. जे.सी. अजवानी, साहित्य लेखिका श्रीमती जया जादवानी, संत गोबिंदराम शासकीय कन्या महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. बी.डी. थदलानी एवं भाषा एवं साहित्य विभाग की प्रमुख प्रो. डॉ. श्रीमती शैल शर्मा जी उपस्थित रहे। 29 फरवरी को श्रीधाम वृंदावन वात्सल्य ग्राम से पूज्य साध्वी दीदी मां रितम्भरा का दरबार तीर्थ आगमन हुआ।

4. विषय -दीक्षारंभ
   दिनांक -20.9.2022

राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद् (NCPSL), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार (नई दिल्ली)ए पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालयए रायपुर (छत्तीसगढ़) के संत शदाराम साहिब सिंधी अध्ययन केंद्र के अंतर्गत दिनांक 20 सितंबर 2022 को डिप्लोमा इन नेशनल लैंग्वेज़-सिंधी का दीक्षारंभ कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती एवं संत श्री शदाराम साहिब की प्रार्थना एवं दीप प्रज्वलित करके की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. मोहन मंधनानी जी, उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद्, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली से हमारे बीच उपस्थित रहे। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि सिंधी भाषा के संवर्धन एवं विकास हेतु भारत सरकार कृतसंकल्पित है। आप योजनाएँ बनाएँ उसे फलीभूत करने की ज़िम्मेदारी NCPSL की है। सरकार हर तरह से मदद देना चाह रही है। आप उठें तत्पर हों और सहयोग लेकर सिंधी भाषा का परिवर्धन समयानुकूल कर विकास करें

कार्यक्रम में उपस्थित विशिष्ट अतिथि प्रो. रविप्रकाश टेकचंदानी, निदेशक, राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद, शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली ने अपने वक्तव्य में कहा कि देश के तमाम शैक्षणिक संस्थानों में हमने सिंधी भाषा को प्रोत्साहित करने हेतु सरकारी योजनाएँ चालू कर रखा है। आप अपनी भाषा के प्रति उदार एवं संवेदनशील बने और भाषा सीखें तथा उसकी विशेषताओं को आत्मसात करें। आने वाली पीढ़ियों को इसकी महत्ता/गुणवत्ता से अवगत कराएँ।

कार्यक्रम में सिंध प्रांत से आए हमारे अग्रज आदरणीय श्री शंकर लाल भाटिया जी ने सिंध, सिंधी और उसके गुणविशेष पर हमारा ध्यान आकर्षित करते हुए कहा - सिंधुघाटी की सभ्यता पूरे विश्व की प्राचीनतम सभ्यताओं में से एक है। इस बार सिंध में हर बार की अपेक्षा 40: बारिश ज़्यादा हुई, परंतु हमारे यहाँ कई सौ साल से बने ड्रेनेज सिस्टम जो पूर्वजों ने हमारे लिए बनाई है उससे इस वर्ष हमें ज़्यादा नुक़सान नहीं हुआ। उनके कथन का तात्पर्य यह है कि सिंधी मेहनतकश, सर्जनात्मक, व्यवसायिक और दूरदर्शिता के लिए विश्वविख्यात हैं। श्री भाटिया ने आगे कहा कि मातृभाषा हमारी पहचान है। हम कहीं भी जाएँ अपनी भाषा अपनी संस्कृति को विरासत में लेकर चलेंगे। हम सिंधी हैं और सिंधी हमारी भाषा है यह हमारे लिए आत्मगौरव की बात है।

सिंध प्रांत में रहते हुए भी आदरणीय भाटिया ने वहाँ के सनातन धर्म, सिंधी संस्कृति में सत्वर रमते हुए उसके प्रचार-प्रसार में अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया है। यह उनकी श्रद्धा ही है कि उन्होंने वहाँ मंदिर बनवाया जहाँ रोज सत्संग होता है। साल में एक बार भगवतगीता की प्रतियोगिता का आयोजन करवाया जाता है। उन्होंने भारतीयता को सिंधी समाज के रग-रग में बसने की महत्वपूर्ण बात अपने संबोधन के द्वारा व्यक्त की।

कार्यक्रम में हरिद्वार, उत्तराखंड से स्वामी डॉ. गंगादास जी उदासीन, महामंडलेश्वर के आगमन से कार्यक्रम की गरिमा में वृद्धि हुई। संत समाज का आशीष निरंतर इस कार्यक्रम में बना रहा। आदरणीय महामंडलेश्वर जी ने कहा कि हम भारतीय हैं। भारतीय संस्कृति हमारी विरासत है। गंगा, यमुना सरस्वती नदियाँ हमारे जीवन के प्रवाह में सम्मिलित हैं। हमने गंगा से ज्ञान, यमुना से विद्या, और सरस्वती से वैराग्य की सीख ली है। हजारों साल पुरानी सभ्यता और संस्कृति हमारी अस्मिता है। अपनी अस्मिता को हम किसी भी प्रकार से अक्षुण्ण रखते हुए भावी पीढ़ी को उससे परिचित कराना ही मुख्य उद्देश्य होना चाहिए। उन्होंने एक उल्लेखनीय बात यह भी कही कि पितृपक्ष चल रहा है और उसमें इस तरह का महत्वपूर्ण आयोजन हमारे पितरों के लिए समर्पित भाव भी है। इस तरह का महत्वपूर्ण आयोजन समाज एवं संस्कृति के उत्थान के लिए भी उल्लेखनीय है। उन्होंने दीक्षारंभ में उपस्थित समस्त विद्यार्थियों को उनकी स्वर्णिम भविष्य हेतु आशीष भी प्रदत्त किया और उनकी सराहना भी की।

कार्यक्रम की अगली कड़ी में संत श्री डॉ. युधिष्ठिर लाल जी, नवम पीठाधीश्वर, पूज्य शदाणी दरबार तीर्थ, रायपुर (छत्तीसगढ़) ने अपने आशीष वचन में समस्त सिंधी भाषा में डिप्लोमा करने वाले विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ दीए और कहा कि भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची में उपस्थिति कराने वाली प्रथम पंद्रह भारतीय भाषाओं में सिंधी रही। हम इस पर भारत सरकार को धन्यवाद देते हुए गर्व की अनुभूति करते हैं। उन्होंने यह बात भी दुहराई कि सरकार मदद देने हेतु तैयार है। अब हमें भी तत्पर हो सिंधी के लिए सरकारी योजनाओं को आत्मसात कर कार्य संपन्न करने की आवश्यकता है।

संत शदाराम साहिब सिंधी अध्ययन केंद्र
(राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद (NCPSL), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली)
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छत्तीसगढ़)
दीक्षारंभ 2022
20 सितंबर 2022
डिप्लोमा इन नेशनल लैंग्वेज़ - सिंधी

5. **Visit of Prof. Akeel Ahmed, Director NCPSL New Delhi**
Date- 19.02.2022

सिंधी भाषा के लिए जमीनी काम जरूरी

रविवि

- राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद के डायरेक्टर ने ली बैठक
- सिंधी भाषा डिप्लोमा में वर्तमान में है 30 सीटें
- सिंधी और उर्दू भाषा पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी पर भी विचार

■ नवभारत ब्यूरो | रायपुर.
www.navabharat.news

साहित्य एवं भाषा-अध्ययनशाला पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर में स्थापित संत शदाराम साहिब सिंधी अध्ययन केंद्र में शैक्षणिक गतिविधियों की बैठक आयोजित की गई. इसमें प्रो. अकील अहमद डायरेक्टर राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद शिक्षा मंत्रालय नई दिल्ली ने अपने सारगर्भित उद्बोधन में कहा कि आज व्यापार के क्षेत्र में हमारे सिंधी भाषी आगे है. सिंधी भाषा के विकास एवं संवर्धन में अभी भी हमें जमीनी स्तर पर कार्य करने की आवश्यकता है. गोपाल देवनानी, परामर्शदाता,

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में रविवि के कुलसचिव प्रो. गिरीशकांत पांडेय, वित्त नियंत्रक प्रो. रवींद्र ब्रह्मे, साहित्य एवं भाषा-अध्ययनशाला अध्यक्ष प्रो. शैल शर्मा, डॉ. मधु लता बारा, डॉ. गिरजा शंकर गौतम, उदय शदाणी, दर्शन निहाल, नंदलाल साहित्य, हरीश खत्री, अमित जीवन, चंद्रभान गावड़ा, एम. नत्थानी एवं साहित्य एवं भाषा-अध्ययनशाला विभाग के समस्त अतिथि प्राध्यापक उपस्थित रहे.

एनसीपीएसएल ने सिंधी भाषा डिप्लोमा कोर्स के साथ आगे अन्य कोर्स प्रारंभ करने की बात कही, जिससे रोजगार के क्षेत्र में संभावनाएं बढ़ेगी. कुलपति प्रो. केशरी लाल वर्मा ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि सिंधी भाषा से उन्हें विशेष लगाव है. भाषाओं से विशेष अनुराग होने के कारण वे व्यक्तिगत तौर पर भाषाओं के संवर्धन और प्रलेखन पर विशेष बल देते आए हैं. भविष्य में सिंधी और उर्दू भाषा पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी कराने की बात कही. सिंधी भाषा डिप्लोमा में वर्तमान में 30 सीटे हैं.

Visit of Prof. Akeel Ahmed

6. One Day National Seminar (Hemu Kalani Janam Shatabdi Samhroh)

Date- 23.03.2022

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में शहीद हेमू कालाणी जन्म शताब्दी समारोह का आयोजन

संत शदाराम साहिब सिंधी अध्ययन केंद्र, साहित्य एवं भाषा–अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय द्वारा 23 मार्च, 2022 को तरंग पटल पर ऑनलाइन वेबीनार का आयोजन सिंधी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति का वर्तमान परिदृश्य विषय पर किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केशरीलाल वर्मा ने अमर शहीद हेमू कालाणी का पुण्य स्मरण करते हुए कहा कि ''आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में अमर शहीद हेमू कालाणी के बलिदान को याद करना युवाओं को उससे परिचय करवाना गौरव की बात है। सिंधी भाषा का अपना कोई प्रांत न होने के बावजूद भी सिंधी भाषीजन राष्ट्रीयता देशप्रेम के लिए सराहनीय कार्य कर रहे हैं। हमारा विश्वविद्यालय सिंधी भाषा पर पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है यह सुखद है। यह भाषा, संस्कृति संरक्षण संर्वधन का सार्थक प्रयास है।''

जोधपुर राजस्थान से डॉ. प्रदीप गेहानी जी का कहना था कि सिंधी भाषा को आगे बढ़ाने के लिए बहुत कार्य किए जाने की आवश्यकता है । आधुनिकता ने हमारी भाषा और

संस्कृति को प्रभावित किया है फिर भी सिंधी अपनी भाषा और संस्कृति को सहेजे हुए हैं। इस गौरवपूर्ण भाषा संस्कृति को बनाए रखने के लिए हम सबको और कार्य करने की आवश्यकता है।'' शदाणी दरबार तीर्थ के नवम् पीठाधीश पूज्य डॉ. युधिष्ठिर लाल जी ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि अमर शहीद हेमू कालाणी 19 वर्ष की अवस्था में अँगरेजो से लोहा लेते हुए शहीद हो गए। हमारा जीवन जीविका से बढ़कर है। अमर शहीदों का जीवन हमें प्रेरणा देता है। इसी प्रकार भाषा का सम्मान करना आज की आवश्यकता है यह भी एक प्रकार की देशभक्ति है।''

कोरबा बिलासपुर से सिंधु दर्शन यात्रा के अध्यक्ष एम. डी. माखीजा ने सिंधी संस्कृति, गीत संगीत को सहेजने की आवश्यकता पर बल दिया इसके माध्यम से भाषा आगे बढ़ेगी।

प्रख्यात मनोविज्ञानी डॉ. जे. सी. अजवानी जी का मंतव्य था कि समाज में पर्व एवं त्यौहार मनाने के साथ–साथ हमे ं अपने घरों में बोलचाल के रूप में सिंधी को बढ़ा वा दिए जाने की आवश्यकता है। दैनंदिन जीवन में भाषा व्यवहार किसी भी भाषा की समृद्धि के लिए आवश्यक है।

नई दिल्ली, शिक्षा मंत्रालय, राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद के परामर्शदाता श्री गोपाल देवनानी ने सिंधी भाषा के प्रचार–प्रसार हेतु संचालित किए जा रहे पाठ्‌यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ से ढाई हजार छात्र दूरस्थ शिक्षा प्रणाली से सिंधी भाषा का पाठ्‌यक्रम सीख रहे हैं। अब सिंधी साहित्य देवनागरी लिपि में उपलब्ध करवाने के लिए निरंतर प्रसास किए जा रहे हैं।

आभासी पटल पर आयोजित इस वेबीनार में बड़ी संख्या में शोधार्थी, छात्र–छात्राएँ एवं सिंधी भाषा प्रेमी गणमान्य जन देश के विभिन्न हिस्सों से जुड़े।

संत शदाराम साहिब सिंधी अध्ययन केंद्र की संचालक प्रो. शैल शर्मा ने स्वागत उद्‌बोधन प्रस्तुत करते हुए अतिथियों का स्वागत किया तथा शहीद हेमू कालाणी को याद किया।

कार्यक्रम का संयोजन डॉ. मधुलता बारा, प्राध्यापक द्वारा किया गया। कार्यक्रम संचालन आयोजन सचिव डॉ. गिरजाशंकर गौतम ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन सिंधी भाषा के अतिथि प्राध्यापक श्री मुरारीलाल नत्थानी ने किया।

इस कार्यक्रम में डॉ. कौस्तुभ मणि द्विवेदी, डॉ. शारदा सिंह, डॉ. कुमुदिनी घृतलहरे, डॉ मृणालिनी करमोकर, डॉ. आरती पाठक, डॉ. सोनल मिश्रा, डॉ. स्मिता शर्मा, श्रीमती अभीप्सा पटेल, श्री बरातु राम ध्रुव, श्री दर्शन निहाल, बी. डी. मोटवानी (जयपुर), श्री अविनाश शर्मा सहित सौ से अधिक छात्र–छात्राओं ने इसमें सहभागिता की ।

संत शदाराम साहिब सिंधी अध्ययन -केन्द्र

साहित्य एवं भाषा अध्ययनशाला

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़

अमर शहीद हेमू कालाणी शताब्दी वर्ष

विषय - सिंधी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति का वर्तमान परिदृश्य

दिनांक : 23 मार्च 2022, समय : 12:00 बजे

स्थान : पाणिनि सभागृह, कलाभवन, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर

संत शदाराम साहिब सिंधी अध्ययन -केन्द्र
साहित्य एवं भाषा अध्ययनशाला
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़
अमर शहीद हेमू कालाणी शताब्दी वर्ष
का वर्तमान परिदृश्य
12:00 बजे
विश्वविद्यालय, रायपुर

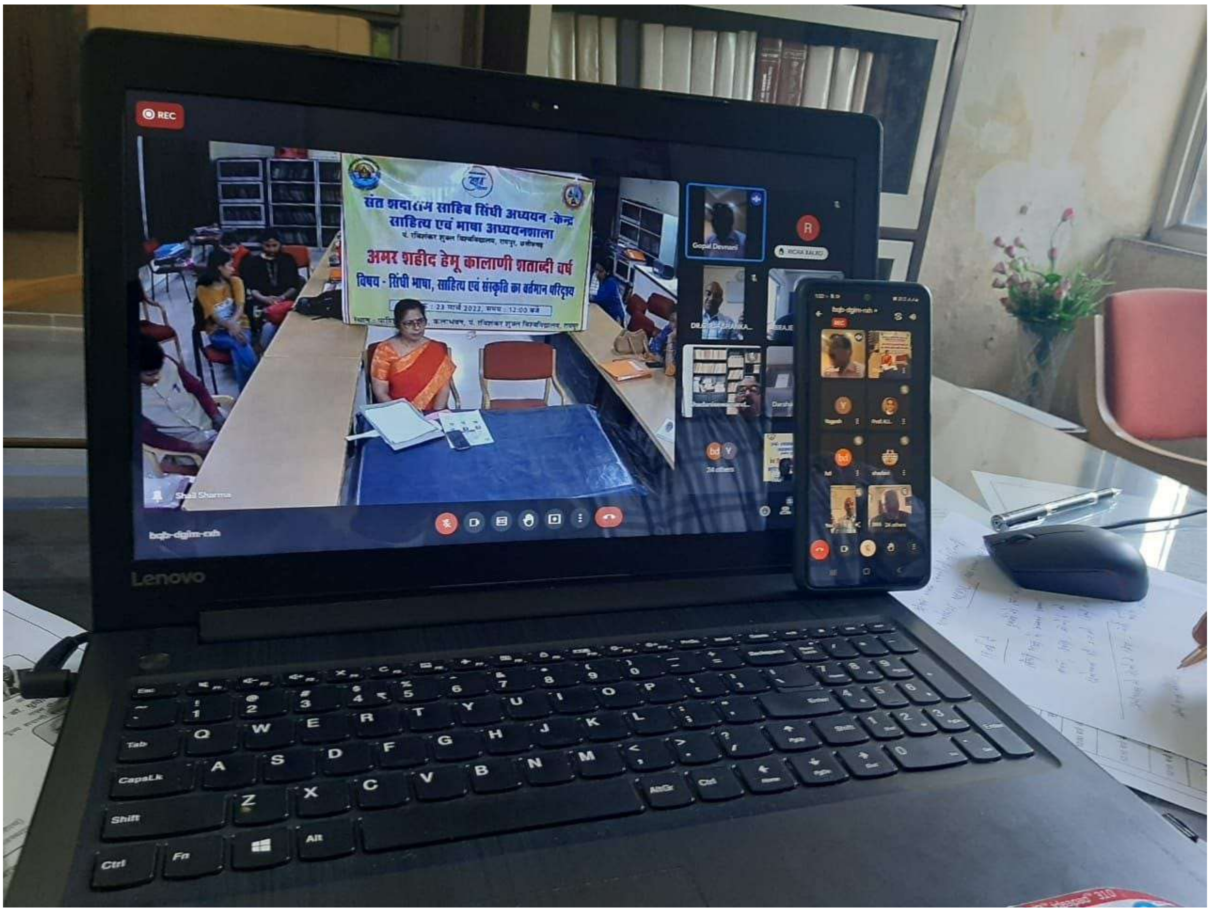
REC
संत शदाराम साहिब सिंधी अध्ययन -केन्द्र
साहित्य एवं भाषा अध्ययनशाला
अमर शहीद हेमू कालाणी शताब्दी वर्ष
विषय - सिंधी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति का वर्तमान परिदृश्य
Lenovo

7. **National Webinar (Online) "Teaching and Conservation of Sindhi Language"**
Date- 5.10.2020

National Seminar : 5 October 2020
Report
Teaching and Conservation of Sindhi Language

A National Seminar on " Teaching and Conservation of Sindhi Language " was organised by Sant Shadaram Sahib Centre for Sindhi Studies, at SoS in Literature and Languages, Pt. Ravishankar Shukla University. More than 700 scholars from all over the country participated in the seminar. Special guest Dr Pratap Pinjani, Director, National Council for Promotion of Sindhi Language, New Delhi, guest speakers Prof. Hasso Dadlani, Prithviraj Chauhan College, Ajmer and Sushri Veena Shringi, Senior Secretary, Sindhi Women Organisation, New Delhi, expressed their valuable views regarding promotion and Conservation of Sindhi Language in the honourable presence of the dignitaries like Prof. Keshari Lal Verma, Patron and Vice Chancellor, Pt Ravishankar Shukla University and sant shi Yudhishthir Lal ji , the ninth Peethadheeshwar of Shadhani Darbar .

Prof. Shail Sharma, Director, Sant Shadaram Sahib Centre for Sindhi Studies , was the co-ordinator and Dr. Madhulata Bara was the assistant co-ordinator of the seminar. The program was conducted by Dr. Girija Shankar Gautam. Members of the organising committee Dr. Smita Sharma, Dr. Kaustubhmani Dwivedi, shri Preetam Das, and shri Hitesh Kumar were also present.

Outcome:-

1) The students of Sindhi became aware of the detailed information about the development and promotion of Sindhi Language.
2) Emphasis on the maximum use of Sindhi Language was given.
3) A place for Sindhi Language in UPSC and higher education in Sindhi Language was also emphasised.

Shail Sharma
11/04/2025
Director
Sant Shadaram Sahib Center for Sindhi Studies
Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G.)

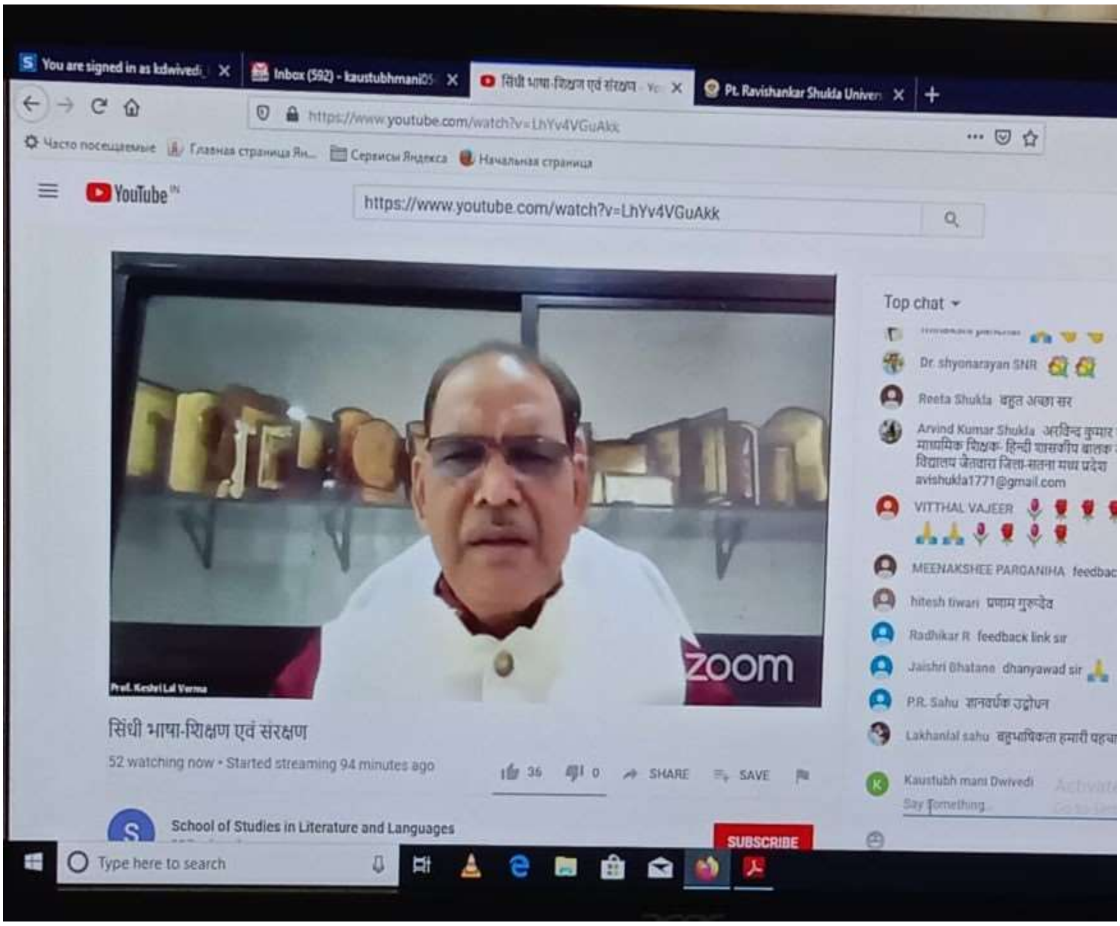
https://www.youtube.com/watch?v=LhYv4VGuAkk
Top chat
Dr. shyonarayan SNR
Reeta Shukla बहुत अच्छा सर
VITTHAL VAJEER
MEENAKSHEE PARGANIHA feedbac
hitesh tiwari प्रणाम गुरुदेव
Radhikar R feedback link sir
Jaishri Bhatane dhanyawad sir
P.R. Sahu ज्ञानवर्धक उद्बोधन
Kaustubh mani Dwivedi
zoom
Prof. Keshri Lal Verma
सिंधी भाषा-शिक्षण एवं संरक्षण
52 watching now • Started streaming 94 minutes ago
SHARE
SAVE
School of Studies in Literature and Languages
SUBSCRIBE
Type here to search

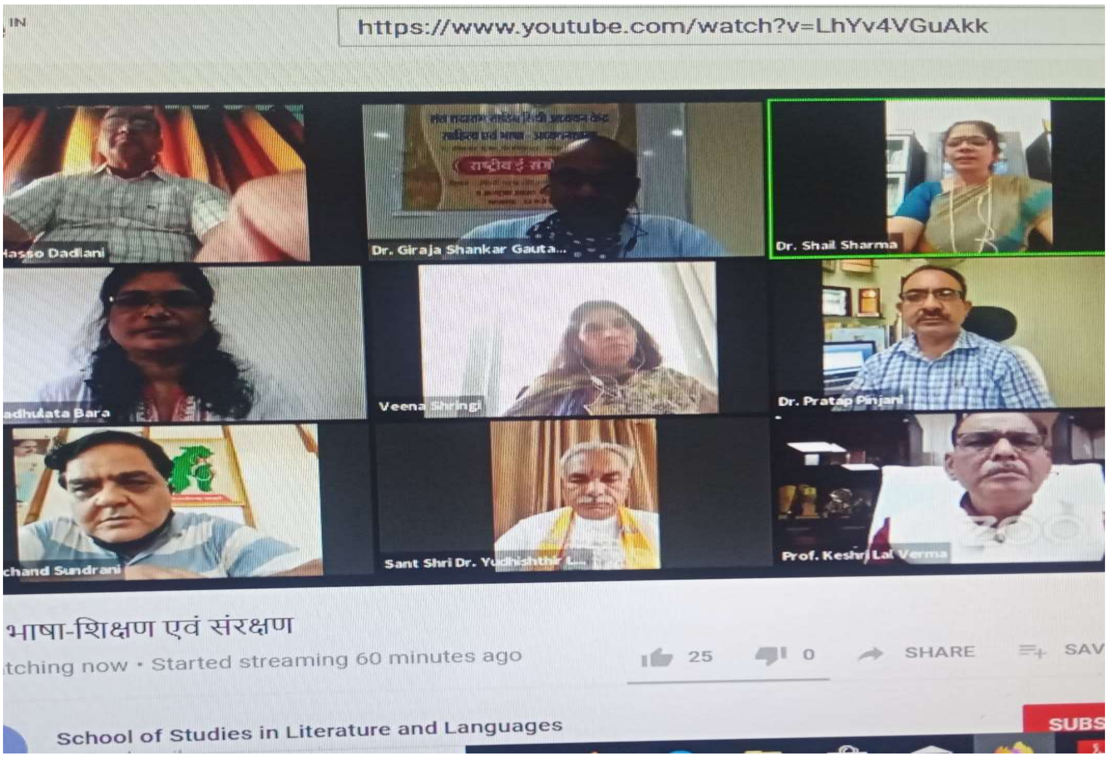
https://www.youtube.com/watch?v=LhYv4VGuAkk
Dr. Giraja Shankar Gauta...
Dr. Shail Sharma
Veena Shringi
Dr. Pratap Pinjani
Sant Shri Dr. Yudhishthir L...
Prof. Keshri Lal Verma
भाषा-शिक्षण एवं संरक्षण
tching now • Started streaming 60 minutes ago
25
0
SHARE
School of Studies in Literature and Languages

8. Induction Program for the First Batch of Sindhi Language
Date- 15-01-2021

The Induction Programme for The first batch of Sindhi Language was Organized on 15 th January 2021, Friday as SoS Literature and Languages, Pt. RSU, Raipur in the presence of honorable Vice Chanceller, Prof. Keshari Lal Verma, the patron of Sant Shadaram Sahib Centre for Sindhi Studies.

Professor Pratap Pinjani Director of National Council for Promotion of Sindhi Language,New Delhi, Sant Shri Youdhishthir Lal ji the chief guest, Dr. Shail Sharma,Professor and Head of SoS in Literature and Languages were among the dignitaries.

11/04/25

Director
Sant Shadaram Sahib Center for Sindhi Studies
Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G.)

सिंधी साहित्य, संस्कृति एवं भाषा हेतु वेबिनार का प्रथम आयोजन, विश्व में 3 करोड़ सिंधी भाषी : संत युधिष्ठिर लाल जी

प्रतिदिन नेटवर्क, रायपुर

संत शदाराम साहिब सिंधी अध्ययन केन्द्र साहित्य एवं भाषा अध्ययन शाला के सेवादारी दिनेश अठवानी ने बताया कि साईं युधिष्ठिर लाल जी की शीतल छाया एवं आशीर्वाद रूपी उपस्थिति में प्रथम वेबिनार का सफल आयोजन किया गया।

संयोजक डाक्टर शैल शर्मा की अगुवाई में भाषा व साहित्य संवर्धन हेतु आयोजित की गई गोष्ठी में अच्छे सुझाव एवं जानकारी मिली व गोष्ठी को बहुउपयोगी बताया। सहसंयोजक डाक्टर मधुलता रहीं। सहायक रूप में आयोजन की सफलता का बहुमूल्य हिस्सा बने डाक्टर गिरिजा शंकर गौतम। आनलाइन उपस्थित सदस्यों ने गोष्ठी को सिंधी भाषा पर सारगर्भित आयोजन कहा। संत युधिष्ठिर लाल जी के आशीर्वचनों से सभा प्रारंभ हुई उन्होंने बताया सिंधी भाषा क्षेत्रीय भाषा नहीं संस्कृत भाषा से जन्मी, वृहद सम्मान की हकदार सिंधी भाषा मे 52वर्ण होते हैं,संस्कृत भाषा को आधार बनाकर सुंदरता की हर कसौटी पर खरी उतरी है, यह ध्यान रहे।। कार्यक्रम पर शोध को प्रमुखता से बहन शैल शर्मा ने सदैव निभाया है। NCPSL के राष्ट्रीय डाइरेक्टर भाई प्रताप पिंजानी के संबोधन में विषयवस्तु की सम्पूर्ण जानकारी मिली। अतिथी NCPSL की सचिव वीणा सिंह ,साईं उदयलाल जी,दर्शनलाल जी प्रमुख रूप से आयोजन की शोभा रहे । प्रमुख रूप से डा शैल शर्मा ने स्वागत भाषण में संस्था द्वारा सिंधी संस्कृति उत्थान व उन्नयन की बात कही, एवं सहायक गिरिजा शंकर गौतम जी ने कुलपति के सी लाल वर्मा के योगदान को सराहनीय कहा एवं सिंधी समाज को वैदिक संस्कृति से जुड़े पुरूषार्थी समाज कहा। माज ने सामाजिक क्षेत्र में बहुतेरे आयोजन किये, जिसमें सरस्वती (विद्या क्षेत्र) एवं हास्पिटल एवं समाजहित में अनेक कार्य किये हैं, जिसकी जितनी तारीफ की जाये,वह कम होगी। सिंधी समाज ने प्रत्येक क्षेत्र मे अकल्पनीय योगदान दिया है,जिसकी सराहना निश्चित रूप से हर वर्ग ने की है। प्रमुख रूप से कुलसचिव प्रो.देशकांत पांडे एवं सहयोगी रूप में स्मिता शर्मा उपस्थित रहे।

समाज के सामने नई पीढ़ी के मातृभाषा की उपेक्षा एवं घर में भी अन्य भाषा का प्रयोग अंतर्मन को पीड़ा पहुंचाता है।सभी से यही आग्रह है,निज भाषा का प्रयोग ससम्मान करें अन्यथा यही संकट का विषय बनता दिखाई पड़ता है।

कुलपति केसीएल वर्मा के अनुसार मातृभाषा के सम्मान की दिशा में विदेशों में रह रहे समाज से आशा है,वे सिंधी भाषा एवं संस्कृति को बचा लेंगे,चूंकि वहां घर में मातृभाषा का प्रयोग सम्मानपूर्वक होता है। नाट्यमंचन का आयोजन यहाँ भी होता है, जिसे उपलब्धि की श्रेणी में रखना मैं अभी तक अतिशयोक्ति कहूंगा। मानसरोवर से निकलने वाली सिंधु नदी के किनारे हर वर्ग का व्यक्ति सिंधी कहलाता है। विश्व मे 3करोड़ सिंधी भाषी हैं,जो ससम्मान स्वयं को सिंधी कहलाना गर्व एवं धर्म भी समझते हैं। सिंधु नदी (पुराणों एवं प्राचीन ग्रंथो के अनुसार वर्णित सिंधुसागर) के किनारे अनेक जातियों को प्रश्रय मिला है। कुलपति महोदय ने यह भी कहा- यहां का युवा सावधान नहीं है,ऐसा जान पड़ता है।।अंततः यही कहना है- सावधानी रखें,विश्व की प्राचीनतम सिंधु घाटी की सभ्यता के वंशज कहीं भाषा के विलुप्ति करण के कारण न बन जायें,याद रहे भाषा जोड़ने का काम करती है। निरंतर भाषा के प्रयोग से ही भाषा व संस्कृति की रक्षा हो सकती है,अन्यथा और कोई राह सम्भव नहीं।

छग,देश व विदेश में संस्कृति के संपोषक एवं उन्नायक रूप में संत युधिष्ठिर लाल जी के प्रयासों की सराहना की। अंत में संत जी ने रविशंकर विश्वविद्यालय के प्रयासों एवं प्रशासन के सहयोगी पृष्ठभूमि की बेहद सराहना की।

प्रमुखता से पूर्व विधायक एवं छग सिंधी पंचायत के अध्यक्ष श्रीचंद सुंदरानी,वरिष्ठ समाज- सेवी कन्हैयालाल छुगानी, भारतीय सिंधु सभा युवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सीए चेतन तारवानी का उल्लेख प्रासंगिक होगा। सभी ने सिंधी भाषा व सं स्कृति के सम्मान में अपने विचार रखे। मुख्य अतिथि रूप में दादू हासलानी की उपस्थिति प्रमुख रही।

स्वामी एवं प्रकाशक शांतिदेवी नचरानी प्रतिदिन राजधानी, प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक रायपुर छत्तीसगढ़ के लिए मुद्रक हरीश कुमार नचरानी प्रतिदिन प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स कचहरी चौक जेल रोड रायपुर (छ.ग.) द्वारा मुद्रित एवं स्वामी शांतिदेवी नचरानी (रामचंद नचरानी एण्ड संस को कर्ता) द्वारा प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक से प्रकाशित। संपादक शांतिदेवी नचरानी। (किसी भी विवाद के लिए न्यायालयीन क्षेत्र रायपुर होगा।) RNI NO. CHH HIN/2001/05586 फोन- 2223399 फैक्स-4022700

9. **Induction Program for the Second Batch of Sindhi Language**
Date- 22-10-2021

साहित्य एवं भाषा–अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के अंतर्गत संत शदाराम साहिब सिंधी अध्ययन केंद्र में आज **दिनांक** 22/10/2021 को डिप्लोमा इन सिंधी भाषा की द्वितीय वर्ष का शुभारंभ हुआ। जिसमें संत श्री डॉ. युधिष्ठिर लाल जी नवम पीठाधीश पूज्य शदाणी दरबार तीर्थ रायपुर विशेष रूप से उपस्थित हुए उन्होंने सिंधी भाषा के विषय में अपने महत्वपूर्ण उदगार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि मातृभाषा ही अभिव्यक्ति का सर्वोत्तम साधन होता है। सिंधी भाषा अतिप्राचीन भाषा है। जिसका जन्म संस्कृत से होना बताया गया है। इस भाषा में सर्वाधिक स्वर एवं 52 अक्षर (वर्णमाला) हिंदी भाषा की तरह ही है। इसके पश्चात उन्होंने पूज्य शदाणी दरबार तीर्थ के इतिहास पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि 1313 वर्ष प्राचीन संत परंपरा है, जिनके प्रथम संत शदाराम जी सिंधु और सरस्वती के संगम पर जहाँ वेदों की रचना हुई उस स्थान पर भभूत (धूणी दुखाई) और साधना की और सर्व समाज के परोपकार की भावना के साथ माथंलो (सिंध) में निवास किया।

सिंधी अध्ययन केंद्र के निदेशक और साहित्य एवं भाषा अध्ययनशाला के अध्यक्ष प्रो. शैल शर्मा ने सिंधी भाषा के विकास के साथ ही व्याकरण और साहित्य के गहन अध्ययन की आवश्यकता को रेखाकिंत किया। सिंधी भाषा को सीखने और साहित्य निर्माण करने की दिशा की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन श्री मुरारी लाल जी नत्थानी ने किया। कार्यक्रम में विशेष रूप से प्रो. ताराचंद्र मोहनानी, श्री मुरली बत्तरा और विभाग के शिक्षकगण – डॉ. मधुलता बारा, डॉ. गिरजाशंकर गौतम, डॉ. कुमूदिनी घृतलहरे, डॉ. आरती पाठक, बरातु राम और विद्यार्थी गण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन डॉ. कौस्तुभ मणि द्विवेदी ने किया।

11/04/2022

Director
Sant Shadaram Sahib Center for Sindhi Studies
Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G.)

10. Organization of National Seminar on the Occasion of National Education Daye
Date- 11.11.2019

National Seminar on National Education Day

(11 November 2019)

On the Occassion of India's first Education Minister, Maulana Abdul Azads Birth ceremony School of Studies in Literature and Languages, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, Chhattisgarh Organised National Education Day on 11 Nov 2019. Prof. Laxmi Shankar Nigam, Vice Chancellor, ICFAI University, Kumhari, Durg was the chief guest in this programm. Prof. Shail Shrama, Head, SoS in Literature and Languages, Pt. RSU, Raipur presided the programme. Dr. Madhulata Bara was the Convenor of the Seminar.

Prof. D. C. Agashe, Raipur and Prof. Girishkant Pandey, Registrar, Pt.RSU, Raipur were present in the programme. Various Competions were organised in this programme. Dr. G. S, Gautam and all the teachers of the department were present in this programme.

Students added themselves with the modern Education System so that they could develope their personality and gain knowledge from this programme.

Shail Sharma
Director 11/04/2025
Sant Shadaram Sahib Center for Sindhi Studies
Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G.)

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस
एक दिवसीय संगोष्ठी
सोमवार 11 नवंबर 2019
सहयोग - राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद, नई दिल्ली
स्थान - सावित्री बाई फुले सेमिनार हॉल, अध्यापक शिक्षण संस्थान,
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर

11. विश्व मातृभाषा दिवस
दिनांक– 21.02.2020

साहित्य एवं भाषा अध्ययनशाला, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर में आज दिनांक 21 फरवरी 2020 को 'विश्व मातृभाषा दिवस' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस गरिमामय आयोजन में मुख्य अतिथि प्रो. रविन्द्र कुमार, पूर्व कुलपति, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, विशिष्ट अतिथि प्रो. अशोक कुमार पटनायक, अध्यक्ष इतिहास विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर एवं श्री राजकुमार मसंद तथा श्री जय प्रकाश मसंद, सिंधी भाषा विशेषज्ञ, रायपुर और कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो. सूरज बहादुर थापा, लखनउ विश्वविद्यालय रहें।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. केशरी लाल वर्मा, कुलपति, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर ने की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सगीर ठाकुर ने किया। कायकम में प्रो. शैल शर्मा, अध्यक्ष, साहित्य एवं भाषा अध्ययनशाला, कार्यक्रम समन्वयक डॉ. मधुलता बारा, डॉ. गिरजा शंकर गौतम एवं डॉ. कौस्तुभमणि द्विवेदी, डॉ. आरती पाठक, डॉ. मृणालिनी करमोकर, डॉ. सरोज चक्रधर, डॉ. विभाषा मिश्रा, डॉ. कुमुदिनी घृतलहरे, श्री बरातू ध्रुव, श्री हितेश तिवारी एवं विभाग के समस्त छात्र–छात्राएँ उपस्थित रहें।

कार्यक्रम की शुरूवात दीप प्रज्वलित कर सरस्वती वंदना, राजगीत एवं विश्वविद्यालय के कुलगीत से प्रारंभ हुई। अतिथियों का स्वागत शॉल, श्रीफल एवं पुष्पगुच्छ से किया गया।

मुख्य अतिथि की आसंदी से अपना वक्तव्य देते हुए प्रो. रविन्द्र कुमार ने कहा कि इस राज्य के लिए गौरव की बात है कि अपनी राजभाषा और अपना राजगीत है। इस विभाग की कोख से जन्मी राजगीत आद्धगीत है, प्रदेश का सही–सही रूपायन करने वाली गीत है। साथ ही संपूर्ण विश्व के निर्माण और सृजन की गाथा विश्वविद्यालय का कुलगीत है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय मेधा के सृजन स्थल होते हैं । परम्पराएँ यदि जीवाश्म में बदल जाएँ तो अपना महत्त्व खो देती हैं इसलिए परंपराओं का नवीन रूपायन होते रहना चाहिए। उन्होंने पुनः मातृभाषा के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि मातृभाषा में ही विचारों की सशक्त अभिव्यक्ति हो पाती है। मातृभाषा प्रतिरूपी के हृदय में आत्म सम्मान होना चाहिए। भारतीय समाज को भारतीय संस्कृति के परिप्रेक्ष्य में जानना चाहिए। विश्व की सभी नई चीजें ग्राह्य हैं। नये विचार, चाहे जहाँ से भी मिले उनका संग्रहण अवश्य करना चाहिए। बच्चों में विवेक पैदा करना माता–पिता का कर्तव्य है।

विशिष्ट अतिथि प्रो. अशोक कुमार पटनायक ने अपने वक्तव्य में कहा कि देश की संस्कृति को बचाना है तो मातृभाषा को सीखना होगा क्योंकि मातृभाषा संस्कृति की संवाहक होती है। मातृभाषा का लिखित रूप में संरक्षण आवश्यक है। मातृभाषा के

अस्तित्व के प्रति चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि नई पीढ़ी में मातृभाषा के प्रति रुचि कम होती जा रही है । इसे बचाने हेतु घर में मातृभाषा का वातावरण होना चाहिए। अपनी भाषा में रचित कहानी, उपन्यास, समाचार पत्र–पत्रिकाएँ पढ़ने के लिए बच्चों को प्रेरित करें। बेटियाँ संस्कृति की संवाहिका होती है।

मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. सूरज बहादुर थापा ने कहा कि साहित्य मातृ भाषाओं को जोड़ती और राजनीति उसे तोड़ती है। मातृभाषा को हाशिए पर धकेलने का काम आज भी शिक्षा व्यवस्था कर रही है । माँ से बढ़कर बाल साहित्य रचने वाला कोई नहीं हो सकता। मातृभाषाएँ अर्जित भी की जा सकती है। हिंदी के साथ साथ समस्त भारतीय भाषाओं को एक मानना चाहिए। मातृभाषा के इतिहास में बलिदास की गाथा है। माँ के नजरिए से थापा जी ने बताया कि बचपन में बच्चा जब बात नहीं कर पाता था तब बच्चा और माँ दोनों एक दूसरे की भाषा को समझ जाते थे, अब बच्चा बड़ा हो गया है लेकिन वह जो बोलता है, माँ नहीं समझ पाती। ग्लोबल होने के लिए विचार जरूरी है और वे विचार जमीन से ही आते हैं अतः मातृ संवेदना के साथ ही बालक स्वयं को दिल से जोड़ लेता है। भाषा आधुनिकता की ओर बढ़ रही है। हमें अपनी संस्कृति को बचाए रखना है तो मातृभाषा के महत्व को समझना होगा।

अध्यक्षता कर रहे कुलपति महोदय ने मातृभाषा के संरक्षण एवं संवर्धन पर बल दिया। उन्होंने कहा शिक्षा का माध्यम मातृभाषा होनी चाहिए। विश्व भाषा सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार 15 दिन में एक भाषा मर रही है। भारत में 220 भाषाएँ लुप्त हो गई हैं। लुप्त प्राय भाषाओं को लिपिबद्ध करना अति आवश्यक है, अन्यथा आने वाली पीढ़ी भाषा को भूला देगी। लोक संस्कार, लोक अभिव्यक्ति अपनी मातृभाषा में ही होती है। स्थानीय स्तर पर जो काम हो रहे हैं उनको व्यवस्थित करना आवश्यक है। भाषाओं के बीच समरसता भारत की विशेषता है।

विशिष्ट अतिथि श्री राजकुमार मसंद ने कहा कि मातृभाषा दिवस को पर्व के रूप में मनाना होगा जो धार्मिक न होकर भाषाई तौर पर होगा। जन अभियान के तहत मृतप्राय होने वाली सिंधी को जीवित रखा गया है । मातृभाषा को जीवित रखने में कठिनाई होती है। मातृभाषा को जीवित रखने के लिए सरकारी नहीं जनभागीदारी जरूरी है। सभी भाषाओं के प्रसिद्ध साहित्यिक रचनाओं को सिंधी में अनुदित किया गया है। विशिष्ट अतिथि श्री जय प्रकाश मसंद ने सिंधी भाषा के संरक्षण एवं संवर्धन की बात कही।

सिंधी भाषी साहित्यकार नीलू मेघ ने कहा कि धर्म महिलाओं से जिंदा है। भाषा, मानवता और संस्कृति का संरक्षण भी महिलाएँ करती हैं। लोरी, कहानियाँ मातृभाषा में ही सुनायी जानी चाहिए। सभी के मन का भाव एक होता है बस भाषाएँ अलग होती है। यह अनेकता में एकता है।

कार्यक्रम के बीच छात्र–छात्राओं द्वारा भी मातृभाषा में प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम के अंत में प्रो. शैल शर्मा, अध्यक्ष ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

Shail Sharma
Director 11/04/2025

Sant Shadaram Sahib Center for Sindhi Studies
Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G.)

मातृभाषा दिवस
21 फरवरी 2020

मातृभाषा दिवस
21 फरवरी 2020

10. Inauguration of Sant Shadaram Sahib Center for Sindhi Studies

Date- 30.09.2019

संत शदाराम सिंधी भाषा अध्ययन केंद्र का विधिवत शुभारंभ

30 सितम्बर 2019

विदित हो कि मई 2019 में पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर छ.ग. के 56वें स्थापना दिवस पर पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के विशाल सभाग्रह में प्रबुद्धजनों के समूह के समक्ष राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद के सहयोग से विश्व विद्यालय द्वारा विधिवत संत शदाराम **सिंधी भाषा अध्ययन केन्द्र** के आरंभ करने की घोषणा करतल ध्वनि के साथ पूज्य शदाणी दरबार तीर्थ के संत श्री डॉ. संत युधिष्ठिरलालजी महाराज एवं विश्वविद्यालय के कुलपति महोदय